राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 217 | जौनपुर | शुक्रवार, 28 मार्च 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

खादी ग्रामोद्योगी इकाईयों की स्थापना हेतु जनपद के प्रत्येक विकास खण्ड में 02 प्रधानों को किया गया सम्मानित

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, हरदोई में मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी अजीत सिंह (बब्बन) जी द्वारा खादी एवं ग्रामोद्योग विकास एवं सत्त स्वरोजगार प्रोत्साहन नीति के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024–25 में खादी ग्रामोद्योग प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र में स्वरोजगार हेतु अधिक से अधिक खादी ग्रामोद्योगी इकाईयों की स्थापना हेतु जनपद के प्रत्येक विकास खण्ड में 02 प्रधानों को जनपद स्तर पर सम्मानित किया गया। मा० अजीत सिंह (बब्बन) जी द्वारा ग्राम प्रधानों को चेक, अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये, और जिलाध्यक्ष जी द्वारा उनका मार्गदर्शन भी किया गया।

रंग पड़ने से पहचान खराब नहीं होती - सीएम योगी

लखनऊ।, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भरोसा दिलाया है कि राज्य में सभी धर्मों के लोग सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि एक योगी होने के नाते, वह सभी के सुख की कामना करते हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में अगर हिंदू सुरक्षित हैं, तो मुसलमान भी सुरक्षित हैं। सीएम योगी ने कहा कि एक मुस्लिम परिवार सैकड़ों हिंदू परिवारों के बीच खुद को सुरक्षित महसूस करता है। उन्हें अपनी धार्मिक मान्यताओं का पालन करने की पूरी स्वतंत्रता होती है। वहीं, उन्होंने सवाल उठाया कि क्या 50 हिंदू परिवार 100 मुस्लिम परिवारों के बीच सुरक्षित रह सकता है?... नहीं। बांग्लादेश और इससे पहले पाकिस्तान इसका

उदाहरण था। अफगानिस्तान में क्या हुआ? मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें खुद के चपेट में आने से पहले सतर्क हो जाना चाहिए। यूपी में मुसलमान सबसे सुरक्षित हैं। पहले यूपी में दंगे हो रहे थे। अगर हिंदू की दुकान जल रही थी, तो मुस्लिम भी चपेट में आए। प्रदेश में बीजेपी के सत्ता में आने के बाद से सांप्रदायिक दंगे बंद हो गए हैं।

मुसलमान नहीं, वोट बैंक की राजनीति खतरे में है

योगी ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के मुसलमान खतरे में हैं वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि यूपी में मुसलमान खतरे में नहीं हैं। इनकी वोट बैंक की राजनीति खतरे में है। जिस दिन भारतीय मुसलमान अपने पूर्वजों को समझ लेंगे, इन सभी को बोरिया–बिस्तर बांधकर भागना पड़ेगा।

संभल में तिरपाल से ढकी मस्जिदों के बारे में कहा कि अगर आप रंगों से खेल रहे हैं, तो संभव है कि यह किसी पर भी पड़ सकता है। लेकिन, इससे किसी की पहचान खराब नहीं होती है। मुहर्रम के दौरान जुलूस निकलते हैं। क्या उनके झंडे की छाया किसी हिंदू घर या हिंदू मंदिर के पास नहीं पड़ती है। क्या इससे घर अपवित्र हो जाता है। क्या मुसलमान रंगीन कपड़े नहीं पहनते हैं। अगर आप पर रंग पड़ जाता है, तो आप समस्या पैदा करते हैं। दोहरे मापदंड क्यों हैं। कई मुसलमानों ने हमारे साथ होली खेली है। एक दूसरे से गले मिले हैं। योगी ने कहा कि संभल में 64 तीर्थ स्थल हैं, हमने उनमें से 54 को खोज लिया है। जो बचे हैं, उसे भी खोज निकालेंगे। दुनिया को दिखाएंगे कि संभल में क्या हुआ था। संभल एक सच्चाई है। आपको पूजा–पाठ की पूरी स्वतंत्रता है, आप कहीं भी मस्जिद बना सकते हैं। लेकिन, आप इस्लाम के सिद्धांतों से भटक गए हैं। इस्लाम कहता है कि किसी हिंदू मंदिर, किसी हिंदू घर या किसी अन्य पूजा स्थल का निर्माण खुदा द्वारा स्वीकार नहीं किया जाता, तो आपने इन्हें क्यों बनाया। आप खुद इस्लाम के खिलाफ कार्य कर रहे हैं। हम कानून के दायरे में रहकर काम कर रहे हैं।

दो और हुर्रियत समूहों ने मोदी के नेतृत्व वाले भारत में जताया विश्वास – अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि दो और हुर्रियत समूहों ने अलगाववाद की निंदा की है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाले भारत में विश्वास जताया है। गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, कश्मीर घाटी से एक और बड़ी खुशखबरी। हुर्रियत से जुड़े दो और समूहों, जम्मू और कश्मीर तहरीकी इस्तेकलाल और जम्मू और कश्मीर तहरीक–ए–इस्तिकामत ने अलगाववाद को त्याग दिया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्मित नए भारत में अपना विश्वास जताया है। मोदी सरकार के तहत अलगाववाद अपनी अंतिम सांस ले रहा है और पूरे कश्मीर में एकता की जीत की गूंज सुनाई दे रही है। इसके साथ ही गृह मंत्री ने कहा यह घटनाक्रम अलगाववादी समूह के दो अन्य सहयोगियों की तरफ से इसी तरह की घोषणाओं के दो दिन बाद आया है। बता दें कि, मंगलवार को जम्मू–कश्मीर पीपुल्स मूवमेंट (जेकेपीएम) और जम्मू–कश्मीर डेमोक्रेटिक पॉलिटिकल मूवमेंट (जेकेडीपीएम) ने अलगाववाद से सभी संबंध तोड़ने की घोषणा की। इस एलान के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार के तहत अलगाववाद अपनी अंतिम सांस ले रहा है और एकता की जीत पूरे कश्मीर में गूंज रही है।

संक्षिप्त समाचार

कौशांबी में ट्रक के टक्कर मारने से मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्तियों की मौत

कौशांबी , (एजेंसी)।कौशांबी जिले के संदीपन घाट थाना क्षेत्र स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग दो पर तेज गति से गुजर रहे एक ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे उसपर सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। थाना प्रभारी बृजेंद्र सिंह ने बताया कि बुधवार की रात लगभग 11 बजे कौशांबी के थाना चरवा के ग्राम पंसौर निवासी कल्याण (20) और संदीपन घाट थाना के ग्राम बलियावां निवासी पवन (26) मोटरसाइकिल से घर वापस लौट रहे थे। संदीपन घाट के थाना प्रभारी बृजेंद्र सिंह ने बताया कि उनके इलाके के मनोहरगंज मोड़ के पास सामने से आ रहे ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे मोटरसाइकिल सवार दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। उन्होंने बताया कि परिजनों की तहरीर पर मामला दर्ज करके अग्रिम विधिक कार्यवाही की जाएगी।

कुणाल कामरा के यूट्यूब चौनल को टेरर फंडिंग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। शिवसेना पदाधिकारी राहुल कनाल ने अब सनसनीखेज दावा किया है कि उनके पास इस बात के सबूत हैं कि स्टैंड–अप कॉमेडियन को सरकार विरोधी सामग्री को बढ़ावा देने के लिए आतंकवादी फंडिंग मिलती है। राहुल कनाल को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ कुणाल कामरा की कथित टिप्पणी को लेकर द हैबिटेट स्टूडियो में तोड़फोड़ करने के आरोप में बीते दिनों गिरफ्तार भी किया गया था। राहुल कनाल ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि हमारे माननीय प्रधान मंत्री, माननीय गृह मंत्री, माननीय वित्त मंत्री, मुख्यमंत्रियों, उप मुख्यमंत्रियों के खिलाफ बोलें, हमारी अर्थव्यवस्था के बारे में बात करे। दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होना सभी को पच नहीं रहा है। इसलिए कुणाल कोमरा जैसे कठपुतलियों को लाएँ । और उसे आतंकवादी फंडिंग से फंड करें, उसका समर्थन करें और इसे सुचारू रूप से चलाए।

सपा सांसद के आवास पर हमले के मुद्दे पर राज्यसभा में हंगामा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन के आवास पर हुए हमले के मुद्दे पर संसद में भी आज खूब हंगामा हुआ। इस मुद्दे पर पूरा विपक्ष एकजुट हो गया। दरअसल विपक्ष सपा सांसद के आवास पर हमले को लेकर चर्चा की मांग कर रहा था, लेकिन जब राज्यसभा सभापति ने इस मुद्दे पर चर्चा की मंजूरी नहीं दी तो विपक्षी नेताओं ने इस पर नाराजगी जताई और सदन से वॉकआउट किया। सपा सांसद रामजी लाल सुमन ने हाल ही में संसद में राणा सांगा को लेकर विवादित बयान दिया था, जिसके बाद बुधवार को करणी सेना के सदस्यों ने आगरा स्थित रामजी लाल सुमन के आवास पर हमला किया। सपा सांसद रामजी लाल सुमन और जावेद अली ने इस मुद्दे को लेकर राज्यसभा में स्थगन प्रस्ताव दिया और इस पर चर्चा की मांग की। हालांकि शून्यकाल के दौरान राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ ने प्रस्ताव पर चर्चा की मंजूरी नहीं दी। राज्यसभा सभापति ने ये जरूर कहा कि शून्य काल के दौरान सदस्य इस मुद्दे को उठा सकते हैं। इससे सपा के सदस्य नाराज हो गए और विरोधस्वरूप में वेल में आ गए। प्रदर्शन के बीच सदन में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बोलने की कोशिश की, लेकिन उन्हें भी बोलने का अवसर नहीं दिया गया। इसके बाद भाजपा सदस्यों ने नारेबाजी शुरू कर दी और श्राणा सांगा जिंदाबादश के नारे लगाए। इसके बाद पूरा विपक्ष एकजुट हो गया और सपा के साथ ही कांग्रेस, टीएमसी, सीपीआई, सीपीआई–एम और कई अन्य राजनीतिक दलों के सांसदों ने सदन से वॉकआउट किया। हालांकि बीजद और वाईएसआरसीपी के सांसद अपने स्थानों पर बैठे रहे। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन के आगरा स्थित आवास पर बुधवार को करणी सेना के सदस्यों ने हमला किया। यह हमला रामजी लाल सुमन द्वारा राजपूत राजा राणा सांगा पर विवादित टिप्पणी के खिलाफ किया गया।

गरीब मुसलमानों को भी बराबरी का हक मिलना चाहिए – चिराग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण जारी है। संसद सत्र के दौरान काफी हंगामा देखने को मिला है। आज भी हंगामे के आसार हैं। बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राहुल गांधी को संसद में सही आचरण करने की नसीहत दी तो राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि उन्हें संसद में बोलने नहीं दिया जा रहा। साथ ही जज के घर से नकदी मिलने का मामला भी खूब गरमाया हुआ है। लोकसभा ने गुरुवार को दो विधेयकों को मंजूरी दे दी। इनमें तकनीकी संशोधन किए गए हैं। इन विधेयकों को राज्यसभा से मंजूरी मिल गई है। इनमें आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक, 2024 और रेलवे (संशोधन) विधेयक, 2024 को पिछले साल लोकसभा ने पारित किया था। इसके बाद इन्हें मंजूरी के लिए राज्यसभा भेजा गया था। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने गुरुवार को संसद में बताया कि सरकारी विभागों में एआई आधारित टूल्स के इस्तेमाल पर कोई विशेष प्रतिबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि एआई एक उभरती ही तकनीक है और इसमें बहुत संभावनाएं हैं। हालांकि उन्होंने ये कहा कि सरकारी कर्मचारियों को सावधानी और सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए इनका इस्तेमाल करना चाहिए। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने गुरुवार को लोकसभा में कहा कि सरकार देश में विमान लीज इकोसिस्टम बनाने की कोशिश कर रही है। गुजरात की गिफ्ट सिटी में पहले से ही विभिन्न कंपनियों को 200 विमान लीज पर दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि विमानन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़े, इससे किराया कम होगा और विमानन सेवाएं बेहतर होंगी। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने गुरुवार को राज्यसभा में बताया कि बीते 11 वर्षों में विभिन्न देशों से 642 पुरातन कलाकृतियां भारत वापस आई हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, यूके और नीदरलैंड आदि देशों के साथ पुरातन कलाकृतियों को वापस लाने के मुद्दे पर बात कर रही है। संस्कृति मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार में जहां 642 कलाकृतियां वापस आई हैं, वहीं 1955 से 2014 के बीच महज 13 पुरातन कलाकृतियां ही भारत वापस आई थी। राज्यसभा सांसद महाराजा सानाओबा लीशेम्बा ने गुरुवार को मांग की कि मणिपुर में अवैध अप्रवासियों का पता लगाने और उन्हें निर्वासित करने के लिए राज्य में एनआरसी लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने राज्य की जनसांख्यिकी में बदलावों को रोकने के लिए यह कदम उठाने की मांग की। राज्यसभा में शून्य काल के दौरान भाजपा सांसद ने कहा कि राज्य में कांगपोकपी, तेंगनोपाल, चंदेल, चुराचांदपुर आदि जिलों में साल 1969 की तुलना में 2024 में गांवों की संख्या 731 से बढ़कर 1624 हो गई है। यह 50 वर्षों में 122 प्रतिशत की वृद्धि है। टीएमसी सांसदों ने गुरुवार को आरोप लगाया कि सरकार नकली वोटर आईडी नंबर के मुद्दे पर संसद में चर्चा को नजरअंदाज कर रही है। टीएमसी सांसदों ने कहा कि लोकतंत्र के लिहाज से यह मुद्दा बेहद अहम है। संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए।

जस्टिस यशवंत वर्मा मामले पर सीजेआई खन्ना का बार एसोसिएशंस को आश्वासन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के सरकारी घर से कथित तौर पर आधी जली हुई नकदी मिलने के मामले को लेकर गुरुवार को अलग–अलग राज्यों की हाईकोर्ट के बार एसोसिएशन के अधिवक्ता मुख्य न्यायाधीश से मिलने सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। उन्होंने मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग की। इलाहाबाद उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने बताया कि मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने आश्वासन दिया है कि वे न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के तबादले की कॉलेजियम की सिफारिश वापस लेने की वकीलों की मांग पर विचार करेंगे। उच्च न्यायालय इलाहाबाद, लखनऊ पीठ, गुजरात, केरल,

कर्नाटक और मध्य प्रदेश की जबलपुर पीठ के बार एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों ने गुरुवार दोपहर को मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना समेत न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ से मुलाकात की। बैठक के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने बताया कि मुख्य न्यायाधीश ने बार निकायों के ज्ञापन पर विचार–विमर्श किया और उनकी मांग पर विचार करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन भी अनिश्चितकालीन हड़ताल को लेकर विचार करेगा। अलग–अलग राज्यों के हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने मुख्य न्यायाधीश को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई। साथ ही मामले में पारदर्शिता अपनाने, दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की रिपोर्ट और अन्य सामग्री को सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट पर सार्वजनिक करने के लिए मुख्य न्यायाधीश के फैसले की सराहना की गई। ज्ञापन में कहा गया कि बार एसोसिएशन मांग करती है कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का स्थानांतरण वापस लिया जाए तथा पहले से वापस लिए गए न्यायिक कार्यों के अतिरिक्त सभी प्रशासनिक कार्य भी वापस लिए जाएं।

विपक्षी गठबंधन के नेताओं ने ओम बिरला से की मुलाकात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विपक्षी पार्टियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। इस मुलाकात में विपक्षी नेताओं ने लोकसभा में नेता विपक्ष को बोलने नहीं देने का आरोप लगाते हुए अपनी नाराजगी व्यक्त की। लोकसभा में कांग्रेस के उप–नेता गौरव गोगोई ने कहा कि इंडी गठबंधन, जिसमें कांग्रेस, सपा, टीएमसपी, डीएमके, केरल कांग्रेस, राजद, आईयूएमएल, आरएलपी और एमडीएमके के सांसद मौजूद रहे आज शून्य काल के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिले। गौरव गोगोई ने कहा कि श्हमने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र सौंपा, जिसमें कई पार्टियों के नेताओं के हस्ताक्षर हैं। इनमें आरएसपी और शिवेसना यूबीटी भी शामिल हैं। हमने लोकसभा अध्यक्ष

के सामने अपनी चिंता जाहिर की कि किस तरह से सत्ताधारी दल नियमों और परंपराओं का उल्लंघन कर रहा है।श कांग्रेस सांसद ने कहा कि श्लोकसभा अध्यक्ष ने नियम संख्या 349 का हवाला दिया, लेकिन उन्होंने किस घटना को लेकर ये हवाला दिया, ये स्पष्ट नहीं है। अब लोकसभा अध्यक्ष के बयान का राजनीतिकरण किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नेता विपक्ष राहुल गांधी को सदन में मर्यादित आचरण करने और सदन के नियमों का पालन करने की नसीहत दी थी। इसके तुरंत बाद लोकसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी और नेता विपक्ष को बोलने का भी मौका नहीं दिया गया। इसके बाद राहुल गांधी ने मीडिया से बात करते हुए आरोप लगाया कि उन्हें सदन में बोलने नहीं दिया जा रहा है और सत्ताधारी दल मनमानी कर रहा है।

सांसदों का वेतन बढ़ गया, आशा और आंगनवाड़ी कर्मियों का मानदेय कब बढ़ेगा – पप्पू यादव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में आंगनवाड़ी और आशा कर्मियों के मानदेय में बढ़ोतरी की मांग उठाई। उन्होंने सदन में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए सवाल किया कि सांसदों का वेतन बढ़ गया है, आशा कर्मचारियों, आंगनवाड़ी कर्मियों और रसोइयों का मानदेय कब बढ़ेगा? बिहार के पूर्णिया से लोकसभा सदस्य ने सरकार से आग्रह किया कि इन लोगों के मानदेय में बढ़ोतरी की जाए। उन्होंने वंचित तबकों के लोगों के लिए पेंशन और छात्रवृत्ति में बढ़ोतरी की मांग भी की। कांग्रेस के वीके श्रीकंदन ने भी सरकार से आग्रह किया कि केरल की आंगनवाड़ी कर्मियों की सभी मांगों को पूरा करते हुए उनकी सुविधाएं बढ़ाई जाएं। समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद ने उत्तर प्रदेश में कानून–व्यवस्था का विषय उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कानून–व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है और अनुसूचित जाति के लोगों पर अत्याचार हो रहा है। प्रसाद ने अपने संसदीय क्षेत्र फैजाबाद के मिल्कीपुर में एक दलित महिला के साथ कथित अत्याचार की घटना का उल्लेख किया और कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार को पीड़ित परिवार को मुआवजा देने के लिए निर्देशित किया जाए।

विधानसभा में सीएम नीतीश कुमार के पीछे सोये हुए थे मंत्री

पटना, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले का यह अंतिम बजट सत्र चल रहा है। हल्के मुद्दों पर लंबी चर्चा और विपक्ष के हंगामे के बीच कभी–कभी ही गंभीर बातें हो पा रही हैं। इस बीच 28 मार्च को खत्म होने वाले बजट सत्र के एक दिन पहले के कुछ वाकये फिर से चर्चा में हैं। सबसे ज्यादा चर्चा दो बातों की है। एक तो यह कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ठीक पीछे बैठे मंत्री अशोक चौधरी सत्र के दौरान नींद ले रहे थे और दूसरी चर्चा यह कि विपक्ष के शोरगुल से तंग आए मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने खुद भी गरम तेवर अपना लिए। विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल के विधायक ने राज्य की नीतीश कुमार सरकार से सवाल पूछा कि योजना के मुताबिक नल से जल नहीं आ रहा है, कबतक पहुंचेगा?

इस सवाल का जवाब देने के लिए जब बिहार विधानसभा का लाइव कैमरा लोक स्वास्थ्य एवं अभियंत्रण विभाग के मंत्री नीरज कुमार सिंह बब्लू की तरफ गया तो उनकी ओर से जवाब दिए जाते समय बगल में ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी सोये हुए नजर आए। वह नींद में अपने सिर को आराम देने के लिए कभी बेंच तो कभी हाथ का सहारा लेते भी दिखे। कैमरा उस तरफ आया तो उनके ठीक सामने बैठे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मीडिया दीर्घा की ओर देख मुस्कराहट और हाथ के इशारे से अभिवादन भी किया। विपक्षी विधायक वीरेंद्र कुमार गुप्ता ने एक पूरक प्रश्न के दौरान कहा कि बिहार में 70 प्रतिशत से ज्यादा खेती बंटाईदार किसान संभालते हैं और इन्हें पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ नहीं मिलता है। सवाल था कि क्या सरकार बंटाईदार किसानों को लाभ देने के लिए बिहार से प्रस्ताव बनाकर केंद्र सरकार को भेजेगी? इसपर सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार ने जवाब दिया कि सरकार विचार करेगी और केंद्र से आग्रह करेगी कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना में बिहार के ऐसे किसानों को भी लाभ मिले। यह सुनने के बाद वीरेंद्र गुप्ता ने दूसरा पूरक प्रश्न पूछा कि अबतक कितने बंटाईदार किसानों को डीबीटी के जरिए कृषि यंत्र और खाद बीज के लिए सुविधा दी गई है? इस सवाल के सीधे जवाब की जगह मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने पूरी जानकारी देनी शुरू की कि सरकार क्या–क्या कर रही है। इसपर विपक्ष ने कहा कि सरकार गलत जवाब देकर अपना प्रचार करने में जुटी है। मामला यहीं गरमाया। मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार है, केंद्र में हमारी सरकार है, हम प्रचार करेंगे। इसपर सदन में खूब हंगामा होने लगा। मंत्री ने खुद ही विपक्षी सदस्यों को फटकारते हुए ।

संपादकीय

न्याय की संवेदनशीलता

विगत 17 मार्च को आया इलाहाबाद हाईकोर्ट का जो फैसला पिछले दिनों पूरे देश में सवालों के घेरे में था, सुप्रीम कोर्ट ने उस पर रोक लगाकर न्याय की संवेदनशीलता को संबल दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को लेकर महिला संगठनों व बौद्धिक वर्गों में तल्ख प्रतिक्रिया देखी जा रही थी। यहां तक कि महिला संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट का भी रुख किया था। शीर्ष अदालत के जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने माना कि फैसला न केवल असंवेदनशील है बल्कि अमानवीय नजरिया भी दर्शाता है। जिसके चलते इस फैसले पर रोक लगाना आवश्यक हो जाता है। बेंच ने माना कि फैसला लिखने में संवेदनशीलता की कमी दृष्टिगोचर होती है। कोर्ट का मानना था कि जब फैसला चार माह तक सुरक्षित रखने के बाद सुनाया गया तो यह नहीं कहा जा सकता कि इस पर गंभीर मंथन नहीं हुआ। वहीं शीर्ष अदालत ने इस मसले पर केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार को भी नोटिस जारी किया है। उल्लेखनीय है कि सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले की निंदा की। दरअसल, विवाद इस बात को लेकर हुआ कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि पीड़िता किशोरी के स्तनों को छूना व पायजामे की डोरी तोड़ना बलात्कार या बलात्कार की कोशिश नहीं माना जा सकता। उल्लेखनीय है कि यह मामला उत्तर प्रदेश के कासगंज जनपद के पटियाली थाना क्षेत्र में एक किशोरी से जुड़ा था, जिसके बाबत जस्टिस राममनोहर नारायण मिश्रा ने यह विवादित फैसला दिया था। इस एकल पीठ का कहना था कि मामले में तथ्यों व आरोपों के आधार पर तय करना संभव नहीं है कि बलात्कार का प्रयास हुआ था। जिसके लिये अभियोजन पक्ष को सिद्ध करना था कि अभियुक्तों का यह कदम अपराध करने की तैयारी के लिये था। दरअसल, इसी के मद्देनजर देश में फैसले के खिलाफ तल्ख प्रतिक्रिया देखी गई। दरअसल, इलाहाबाद हाईकोर्ट की एकल पीठ का कहना था कि दुराचार करने की कोशिश और अपराध की तैयारी के बीच के अंतर को सही ढंग से समझना चाहिए। हाईकोर्ट ने निचली अदालत को आईपीसी व पॉक्सो एक्ट की हल्की धाराओं में मुकदमा चलाने की अनुमति दी थी। उल्लेखनीय है कि यह घटना साल 2021 में एक नाबालिग लड़की के साथ हुई थी। जिसमें तीन युवकों ने लड़की से बदतमीजी की थी और उसके प्राइवेट पॉर्टस को छुआ तथा पुल के नीचे घसीटकर उसके पायजामे की डोरी तोड़ थी। जिसे पास से गुजरने वाले ट्रैक्टर चालकों ने बचाया था। स्थानीय पुलिस से जब किशोरी के परिजनों को मदद नहीं मिली तब उन्होंने न्याय के लिये कासगंज की विशेष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। जहां अभियुक्तों पर आईपीसी की धारा 376 व पॉक्सो एक्ट की धारा 18 लगाई गई। जिसको अभियुक्तों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इसी मामले में आए इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ लोगों में नाराजगी देखी गई। माना गया कि इसका समाज में गलत संदेश जाएगा और महिलाओं की सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। इसके चलते ही एक महिला संगठन वी द वूमेन ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। कालांतर सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में स्वतरू संज्ञान लिया। उल्लेखनीय है कि एक ऐसे ही मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच के फैसले को पलट कर कानून की संवेदनशीलता को संबल दिया था।

सख्ती-विकास व पुनर्वास से पलटी बाजी

मधुरेन्द्र सिन्हा

देश की सीमाओं की रक्षा में जहां हमारे सैनिक तत्पर हैं वहीं देश में उग्रवादियों, नक्सलवादियों जैसी विध्वंसक ताकतों से निपटने और उनका सफाया करने के लिए नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास के काम को तेज किया और संसाधन उपलब्ध करवाये ताकि वहां के स्थानीय लोग उनसे दूरी बना लें। हिंसा के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की सरकार की नीति का अनुसरण

केन्द्रीय सुरक्षा बल तथा अन्य बल पूरी मुस्तैदी से शांति बनाये रखने में सफल हुए हैं। यह बल जिसे सीआरपीएफ के नाम से जाना जाता है। इस समय सीआरपीएफ देश में माओवादी उग्रवादियों को पूरी तरह से खत्म करने के अपने मिशन में जी जान से जुटा हुआ है। छत्तीसगढ़, झारखंड, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र वगैरह राज्यों में इनका आतंक खत्म करने और वहां सामान्य जन–जीवन को बहाल करने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है। हाल के वर्षों में इस बल ने वर्षों से जमे हुए सशस्त्र नक्सलियों को जबर्दस्त चोट पहुंचाई है और उसके कई बड़े लीडर मारे गये हैं जिनसे इन उग्रवादियों का मनोबल नीचे आ गया है।

पिछले कुछ महीनों में तो दर्जनों नक्सली सीआरपीएफ से मुठभेड़ में मारे गये हैं। सैकड़ों हथियार पकड़े जा चुके हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री ने तो बजट सत्र में स्पष्ट शब्दों में कहा कि 31 मार्च, 2026 तक देश में नक्सलवाद का समूल नाश कर दिया जायेगा। सरकारी लड़ाई तेज करने के अलावा करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने इन देश–विरोधी तत्वों से सख्ती से निपटने की रणनीति पर काम किया है।

सीआरपीएफ तथा अन्य सुरक्षा बलों को नये हथियारों से लैस करने के अलावा उन्हें उचित प्रशिक्षण दिलाकर मदद की। टेक्नोलॉजी का सहारा लिया गया और ड्रोन वगैरह के अलावा संचार के तमाम आधुनिक साधनों को उपलब्ध करवाया। दरअसल, नक्सल प्रभावित क्षेत्र घने जंगलों तथा दुर्गम इलाकों में स्थित हैं। वहां तक पहुंचना टेढ़ी खीर है लेकिन अब उन इलाकों में भी सड़कें बन गई हैं। लगभग 20 हजार किलोमीटर सड़कें बनवाकर सरकार ने वहां जवानों को ही नहीं बल्कि आदिवासियों के आवागमन को सुचारु कर दिया है। सुकमा जैसे घनघोर इलाके में अब अंदर तक सड़कें हैं और इस वजह से अर्धसैनिक बलों का आना–जाना संभव हो पाया है। इसके अलावा उन इलाकों में 68 ऐसे हेलीपैड भी बनवाये गये हैं जहां रात को भी हेलीकॉप्टर पहुंच सकें ताकि जवानों को लाया–ले जाया जा सके तथा रसद व हथियार फौरन पहुंचाये जा सकें। बलों के शिविरों की संख्या भी बढ़ाई गई है ताकि जवान एक जगह से दूसरी जगह जल्दी से पहुंच जायें।

नक्सलवाद के विरुद्ध सशस्त्र लड़ाई में डीआरजी, एसटीएफ, आईटीबीपी, बीएसएफ, राज्य पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों तथा अफसरों ने दुर्गम इलाकों में अपना ऑपरेशन चलाया और सैकड़ों ने अपनी जान की कुर्बानी दी। वे भूखे–प्यासे दुर्गम इलाकों में तैनात रहते हैं। केंद्र ने इन संगठनों को मजबूत किया है और उन्हें नई टेक्नालॉजी तथा हथियारों से लैस किया है। इससे नक्सलियों से दो–दो हाथ करने में उन्हें सफलता मिली है और बड़ी तादाद में नक्सली मारे गये हैं।

नक्सल प्रभावित इलाकों में बजट में 300 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है ताकि संसाधनों का संकट न रहे। नक्सलवाद बढ़ने में गांवों के विकास की उपेक्षा एक बड़ा कारण था। दूर–दराज के गांवों में विकास की सिर्फ बातें ही होती थीं और वहां कुछ नहीं होता था और नक्सली नेताओं के लिए भोले–भाले आदिवासियों को बरगलाना आसान था। उनके पास जीविका के साधन नहीं थे, शिक्षा तो दूर की बात थी। लेकिन अब किसानों तथा अन्य को अपनी उपज का सही मूल्य मिलने लगा। उनके बनाये सामानों की बिक्री भी होने लगी और इससे उनकी आय बढ़ी।

नये स्कूल बनाये गये और पुरानों को फिर से चालू कर दिया गया। कई इलाकों में नक्सलियों द्वारा उड़ाये गये स्कूलों को फिर से बना दिया गया है। स्वास्थ्य केन्द्रों में अब डॉक्टर नियमित रूप से आते हैं और उन्हें आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है। गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कई कदम उठाये गये हैं। इनसे ग्रामीणों में उनके प्रति विश्वास बढ़ा और वे नक्सलियों से दूरी बनाने लगे हैं। बहुत से इलाकों में बिजली पहुंचाई जा रही है ताकि उनकी जिंदगी आसान हो और नक्सलियों को अंधेरे का फायदा न मिले। सख्ती और सुविधाएं, इन दोनों के साथ सरकार ने नक्सलियों को पीछे धकेलने में बहुत सफलता पाई। केन्द्रीय गृह मंत्रालय के मुताबिक छत्तीसगढ़ में 2023 में नई सरकार बनने के बाद एक साल में ही सशस्त्र बलों ने 380 नक्सलियों को मुठभेड़ों में मार गिराया तथा 1045 ने सरेंडर कर दिया जबकि 1194 गिरफ्तार कर लिये गये। इन मुठभेड़ों में सिर्फ 26 जवान शहीद हुए।

इन गिरफ्तार नक्सलियों के पुनर्वास और उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए रोजगार की भी व्यवस्था की है। निरूसंदेह, उचित विकास से ही सभी समस्याओं का समाधान मिलेगा। इसके तहत ही उन्हें व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए 36 महीनों तक हजार रुपये प्रति माह सहायता की भी व्यवस्था की गई है, जिससे वे नई जिंदगी जी सकें। आत्म समर्पण करने वाले नक्सलियों को भी विशेष अनुदान दिया जा रहा है।

गृह मंत्रालय अर्ध सैनिक बलों के वीर जवानों के लिए कई तरह की कल्याणकारी योजनाओं पर भी काम कर रहा है। उनका मनोबल बढ़ाये रखने के लिए उनके लिए आयुष्मान सीएफएफ योजना लागू की गई है। सीजीएचएस के अस्पतालों में उनके इलाज तथा मुफ्त दवाओं की व्यवस्था की गई है। सरकार ने उनके लिए 2021 से 2026 के बीच 28,546 घरों के निर्माण का लक्ष्य रखा है ताकि उनके आवास की समस्या दूर हो। अब तक कुल एक लाख मकान उन्हें आवंटित कर दिये गये हैं।

जरूरी है न्याय व्यवस्था की साख कायम रखना

प्रमोद जोशी

नेशनल ज्यूडीशियल डेटा ग्रिड के अनुसार इस हफ्ते 26 मार्च तक देश की अदालतों में चार करोड़ 54 लाख से ज्यादा मुकदमे विचाराधीन पड़े थे। इनमें 46.43 लाख से ज्यादा केस 10 साल से ज्यादा पुराने हैं। यह मान लें कि औसतन एक मुकदमे में कम से कम दो या तीन व्यक्ति पक्षकार होते हैं तो देश में करीब 10 से 15 करोड़ लोग मुकदमेबाजी के शिकार हैं। यह संख्या लगातार बढ़ रही है। सामान्य व्यक्ति के नजरिए से देखें तो अदालती चक्करों से बड़ा चक्रव्यूह कुछ नहीं है। एक बार फंस गए, तो बरसों तक बाहर नहीं निकल सकते। सरकार और न्यायपालिका लगातार कोशिश कर रही है कि कम से कम समय में मुकदमों का निपटारा हो जाए। यह तभी संभव है जब प्रक्रियाएं आसान बनाई जाएं, पर न्याय व्यवस्था का संदर्भ केवल आपराधिक न्याय या दीवानी मुकदमों तक सीमित नहीं है। व्यक्ति को कारोबार का अधिकार देने, मुक्त वातावरण में अपना धंधा चलाने, मानवाधिकारों तथा अन्य अधिकारों की रक्षा के लिए भी उपयुक्त न्यायिक संरक्षण की जरूरत है। उसके पहले हमें अपनी न्याय–व्यवस्था की सेहत पर भी नजर डालनी होगी, जिसके उच्च स्तर को लेकर कुछ विवाद खड़े हो रहे हैं। इस समय सवाल तीन हैं। न्याय–व्यवस्था को राजनीति और सरकारी दबाव से परे किस तरह रखा जाए? जजों की नियुक्ति को पारदर्शी कैसे बनाया जाए? तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण सवाल है कि सामान्य व्यक्ति तक न्याय किस तरह से उपलब्ध कराया जाए? अक्सर कहा जाता है कि देश में न्यायपालिका का ही आखिरी सहारा है। पर पिछले कुछ समय से न्यायपालिका को लेकर उसके भीतर और बाहर से सवाल उठने लगे हैं। उम्मीदों के साथ कई तरह के अंदेशे हैं। कई बार लगता है कि सरकार नहीं, सुप्रीम कोर्ट के हाथ में देश की बागडोर है। पर न्यायिक जवाबदेही को लेकर हमारी व्यवस्था पारदर्शी नहीं बन पाई है। न्यायपालिका को स्वतंत्र होना चाहिए और उसे सरकारी दबाव से भी बाहर होना चाहिए। सच यह भी है कि संविधान ने कानून बनाने और न्यायिक नियुक्तियों के अधिकार विधायिका और कार्यपालिका को दिए हैं। दो राय नहीं कि कार्यपालिका को भी निर्द्वंद्व नहीं होना चाहिए। न्यायपालिका को लेकर संदेह व्यक्त करना, न्यायिक अवमानना की श्रेणी में इसीलिए रखा जाता है, क्योंकि वह संदेह से परे होनी चाहिए। सवाल है कि यदि न्यायपालिका के भीतर के मसले अस्पष्ट और अपारदर्शी हैं और उन्हें लेकर भीतर से ही सवाल उठ रहे हैं, तो उनका निदान क्या है? दिल्ली में नोटों की जलती गड्डियों ने इन सारे सवालों को एकसाथ उठा दिया है? हम किधर जा रहे हैं? न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास पर नोटों की गड्डियों से जुड़े विवाद के बीच, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 2014 में संसद द्वारा पारित राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) अधिनियम का जिक्र करते हुए मंगलवार को कहा कि न्यायिक नियुक्तियों की व्यवस्था को सर्वोच्च न्यायालय ने रद्द नहीं किया होता तो 'चीजें अलग होतीं।' धनखड़ ने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए पार्टियों के नेताओं के साथ बैठक भी की। कुछ पर्यवेक्षक मानते हैं कि यह बैठक कॉलेजियम प्रणाली पर राजनीतिक दलों, खासतौर से विरोधी दलों का दृष्टिकोण जानने का प्रयास हो सकता है। सरकार ने इस सिलसिले में कोई प्रस्ताव नहीं रखा है, इसलिए इस बैठक से कोई बात निकल कर नहीं आई, पर लगता है कि न्यायपालिका को लेकर राजनीतिक दलों के भीतर वह आम राय भी इस समय नहीं है, जैसी 2014 में थी। राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग से जुड़ा विधेयक 2014 में संसद ने पास किया था।

.... स्वास्थ्य ....

गर्मियों में हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन से बचने के लिए अपनाएं ये हेल्दी टिप्स

गर्मी का मौसम आते ही तेज धूप, उमस और बढ़ते तापमान से कई तरह की मुश्किलें शुरू हो जाती हैं। इस मौसम में सिर्फ हमारी बाहरी त्वचा ही नहीं, बल्कि शरीर के अंदरूनी हिस्से भी प्रभावित होते हैं। गर्मी में हेल्दी रहना बेहद जरूरी है, क्योंकि शरीर अगर तरोताजा रहेगा तो गर्मी से जुड़ी परेशानियों जैसे डिहाइड्रेशन, थकान और हीट स्ट्रोक से बचाव किया जा सकता है। आइए, जानते हैं कि गर्मी में हेल्दी रहने के लिए हमें क्या खानपान और रूटीन अपनाना चाहिए।

शरीर को ठंडा रखने के लिए खाएं ये चीजें

गर्मी के मौसम में कई तरह के ताजे फल और सब्जियां उपलब्ध होती हैं, जो न केवल स्वादिष्ट होती हैं, बल्कि पौष्टिक भी होती हैं। इस समय जामुन, तरबूज, टमाटर, खीरे और पत्तेदार साग जैसे फल और सब्जियां खाना फायदेमंद होता है। ये सभी खाद्य पदार्थ शरीर को हाइड्रेट करने में मदद करते हैं। इनके अंदर विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर होते हैं, जो शरीर की इम्यूनिटी को मजबूत करने के साथ–साथ स्वास्थ्य को भी बनाए रखते हैं।

हाइड्रेशन के लिए पिएं ये ड्रिंक्स

गर्मी में शरीर को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि पसीना ज्यादा आने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है। इसके लिए सबसे अच्छा उपाय है दिनभर पर्याप्त पानी पीना। गर्मी में बाहर जाते वक्त अपनी पानी की बोतल साथ रखें ताकि पानी की कमी ना हो। इसके अलावा, नारियल पानी, फ्लेवर्ड पानी, ताजे फलों का जूस और छाछ जैसे पेय पदार्थ भी शरीर को हाइड्रेटेड रखते हैं। ये ड्रिंक्स न सिर्फ शरीर को ठंडा रखते हैं, बल्कि शरीर की ऊर्जा को भी बनाए रखते हैं।

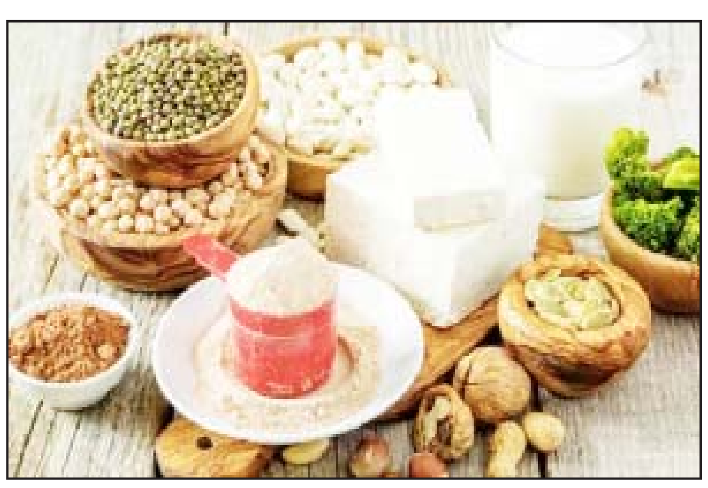

खाने के लिए सही चीजों को चुनें

गर्मी के मौसम में हल्का और ताजगी देने वाला भोजन करना चाहिए, जिससे शरीर को संतुलित पोषण मिले और शरीर तरोताजा महसूस करे। इस मौसम में तली–भुनी और भारी चीजों से बचें और बजाय इसके, सादा, हल्का और ताजगी देने वाला खाना खाएं। सलाद, उबले हुए या स्टीम किए गए सब्जियों का सेवन करें। इससे ना केवल वजन नियंत्रित रहेगा, बल्कि शरीर में ऊर्जा भी बनी रहेगी।

इन चीजों से रहें दूर

गर्मी में मीठे और शराबी पेय पदार्थों से परहेज करें। गर्मी में लोग अक्सर मीठे पेय और एल्कोहॉल का सेवन अधिक करते हैं, लेकिन इससे शरीर में ज्यादा कैलोरी का संचय होता है, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इन चीजों का सेवन कम करने की कोशिश करें, ताकि शरीर में अतिरिक्त कैलोरी जमा न हो और सेहत सही रहे।

हीट स्ट्रोक से बचने के उपाय

गर्मी में हीट स्ट्रोक और हीट एग्जॉशन से बचने के लिए शरीर को ठंडा रखना और हाइड्रेटेड रहना बेहद जरूरी है। अगर दिन में बाहर जाना पड़े तो धूप से बचने की कोशिश करें और शॉपिंग मॉल, लाइब्रेरी, या अन्य एयरकंडीशन जगहों पर रहने का प्रयास करें। इस मौसम में खुद को ठंडा रखने के लिए शॉर्ट्स, हल्के कपड़े पहने और ठंडी जगहों पर जाएं।

अच्छी नींद और आराम भी है जरूरी

गर्मी के मौसम में अच्छी नींद और पर्याप्त आराम बहुत जरूरी है। शरीर को पूरी नींद और आराम मिलने से शरीर की कार्यप्रणाली सही रहती है और थकान कम होती है। रात में एयर कंडीशनर या पंखे का इस्तेमाल करके आरामदायक नींद लें। यह शरीर को दिनभर की थकान से उबारने में मदद करेगा और आपको ताजगी महसूस होगी।

गर्मी के मौसम में स्वास्थ्य बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन यदि आप सही खानपान और रूटीन का पालन करें तो आप गर्मी से होने वाली परेशानियों से बच सकते हैं।

इस हरी सब्जी का पानी तो पीकर देखें, शुगर रहेगी कंट्रोल और जोड़ों का दर्द भी होगा छूमंतर

भिंडी केवल सब्जी ही नहीं, बल्कि औषधीय गुणों से भरपूर है। इसके पानी का सेवन स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंदमाना जाता है। भिंडी में फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट, कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम, आयरन और विटामिन C, K और B6 प्रचुर मात्रा में होते हैं। रोजाना इसके पानी का सेवन करने से ब्लड शुगर कंट्रोल, कोलेस्ट्रॉल कम करने और पाचन को दुरुस्त रखने में मदद करता है। चलिए जानते हें इसक ओर भी फायदे

भिंडी के पानी में मौजूद पोषक तत्व

भिंडी के पानी में कई आवश्यक पोषक तत्व होते हैं, जैसे–

फाइबर– पाचन को दुरुस्त रखता है।

एंटीऑक्सीडेंट–कोशिकाओं को फ्री रेडिकल्स से बचाता है।

विटामिन F– इम्यूनिटी को मजबूत करता है।

फोलेट– रक्त निर्माण में मदद करता है।

पोटैशियम– ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है।

मैग्नीशियम– हड्डियों को मजबूत बनाता है।

लैक्टिक एसिड– आंतों के लिए फायदेमंद होता है।

भिंडी का पानी पीने के स्वास्थ्य लाभ

भिंडी में मौजूद घुलनशील फाइबर और पॉलीसेकेराइड ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। यह इंसुलिन रेजिस्टेंस को कम करता हैऔर शुगर लेवल को स्थिर बनाए रखता है। टाइप–2 डायबिटीज के मरीजों के लिए भिंडी का पानी लाभकारी है। रोजाना खाली पेट भिंडी का पानी पीने से शुगर लेवल नियंत्रित रहता है। भिंडी का पानी शरीर में मौजूद बुरे कोलेस्ट्रॉल को कम करने में भी मदद करता है। यह हृदय स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक है। फाइबर से भरपूर भिंडी का पानी धमनियों में जमे प्लाक को हटाता है और रक्त संचार बेहतर करता है। हफ्ते में 4–5 दिन सुबह खाली पेट भिंडी का पानी पीने से कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है।

पाचन को बेहतर बनाता है

भिंडी में मौजूद घुलनशील फाइबर पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है। यह कब्ज, गैस और एसिडिटीजैसी समस्याओं में राहत देता है। सुबह खाली पेट भिंडी का पानी पीने से पेट साफ रहता है और गैस की समस्या कम होती है। भिंडी में कैलोरी कम और फाइबर अधिक होता है, जिससे पेट लंबे समय तक भरा रहता है। यह भूख को नियंत्रित करता है और मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाता है। रोजाना सुबह भिंडी का पानी पीने से वजन घटाने में मदद मिलती है। इसके अलावा भिंडी का पानी खून की कमी (एनीमिया) को भी दूर करता है। जो लोग सूजन और जोड़ों के दर्द से परेशान हैं वो रोजाना यह पानी पीना शुरू कर दें।

भिंडी का पानी बनाने का सही तरीका

भिंडी को अच्छे से धोकर दोनों किनारों को काट लें। इसे बीच से काटकर 2–3 टुकड़े कर लें। एक गिलास पानी में भिंडी के टुकड़े डालकर रातभर के लिए छोड़ दें। सुबह खाली पेट इसका पानी पी लें। चाहें तो भिंडी को चबा भी सकते हैं। ध्यान रखें कि भिंडी का पानी रोज ज्यादा मात्रा में न पिएं, यह दस्त का कारण बन सकता है।

लंबे बालों की चाहत? उबले चावल से बनाएं बेहतरीन हेयर मास्क

लंबे, घने और खूबसूरत बाल हर किसी की चाहत होती है। इसके लिए हम अक्सर महंगे हेयर ट्रीटमेंट्स और उत्पादों की तलाश में रहते हैं, लेकिन कभी–कभी साधारण घरेलू उपाय भी चमत्कार कर सकते हैं। उबले हुए चावल, जो कि पोषण का एक बेहतरीन स्रोत है, को विभिन्न सामग्रियों के साथ मिलाकर एक प्रभावी हेयर पैक तैयार किया जा सकता है। इस लेख में जानिए कि कैसे उबले चावल और अन्य सामग्रियों के साथ मिलकर आप अपने बालों को खूबसूरत और मजबूत बना सकते हैं।

उबले चावल के साथ मिलाएं ये सामग्रियां

मेथी दाने को रात भर भिगोकर रख दें। ये बालों की ग्रोथ को बढ़ावा देने और डेंड्रफ को कम करने में मदद करते हैं। चुकंदर का रस न केवल बालों को पोषण देता है, बल्कि इससे उन्हें एक शानदार रंग भी मिलता है। एलोवेरा में मौजूद पोषक तत्व बालों को हाइड्रेट करते हैं और उन्हें शाइनिंग देते हैं।

हेयर पैक बनाने की विधि

एक रात पहले थोड़े से मेथी दाने को भिगो दें। भीगे हुए मेथी के बीजों और उबले हुए चावल को मिलाकर बारीक पेस्ट बना लें।

अब इसमें चुकंदर का रस और ताजा एलोवेरा जेल मिलाएं। इस मिश्रण को अपने बालों पर मेहंदी की तरह लगाएं। लगभग 1 घंटे तक इसे बालों में रहने दें। एक घंटे बाद, बालों को साफ पानी से धो लें और सही तरीके से कंडीशनर का इस्तेमाल करें।

अलविदा जुम्मे की नमाज को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट ड्रोन कैमरों से होती रही निगरानी

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ,28 मार्च । अलविदा जुम्मे की नमाज को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट पुलिस लागतार नगर के अटाला मस्जिद बड़ी मस्जिद शेर वाली मस्जिद पर चक्रमण करते हुए फ्लैग मार्च कर रही है। चप्पे चप्पे पर पुलिस तैनात है आज अलविदा जुम्मे की नमाज अदा किया जाएगा ।वही मस्जिदों के बाहर सड़कों पर नमाज नहीं अदा करने को लेकर प्रदेश सरकार की गाइड लाइन का पालन करने केलिए सभी से जिला प्रशासन ने गुजारिश किया है। दोपहर लगभग 1 बजे जनपद के प्रमुख मस्जिदों विवादित अटाला मस्जिद, बड़ी मस्जिद शेर वाली मस्जिद एवं अन्य छोटी बड़ी मस्जिदों में सकुशल नमाज अदा किया गया। नमाज अदा करने के बाद अटाला मस्जिद के अध्यक्ष मोहम्मद जावेद महमूद ने कहा कि है सभी ने देश के अमन चौन और जनपद की गंगा जमुनी तहजीब कायम रहे इसके लिया दुआ किया गया सरकार की गाइड लाइन का पूरा पालन किया गया है।वही दुसरी तरफ नमाज अदा करने तक जिलाधिकारी डॉ दिनेश कुमार सिंह ओर पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ लगातार भ्रमण करते रहे।

इस मामले में जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक शहर आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं ड्रोन कैमरों से निगरानी की जा रही है ।सभी धर्म गुरुओं से पहले बात कर लिया गया था।सभी को सेक्टर और जोन में बाट कर ड्यूटी लगाई गई है।दंगा नियंत्रण टीम को उनके समानों के साथ लगाया है ।जनपद में ला ऑर्डर की कोई समस्या नहीं है।

सिंगरामऊ क्षेत्र में ठाकुरबाड़ी के कार्यकर्ताओं ने चलाया जागरुकता अभियान

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ৮ सिंगरामऊ। संस्था प्रमुख डॉ. अंजू सिंह के निर्देश पर ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति के कार्यकर्ताओं ने स्थानीय स्तर पर कई गांवों के स्कूलों में बच्चों को टीबी रोग तथा संचारी रोग के प्रति जागरूक किया। संस्था की कार्यकर्ता नेहा सिंह ने टीबी रोग के लक्षण की जानकारी देते हुए बताया कि दो हफ्ते से अधिक खांसी आना, बुखार होना, वजन में कमी, भूख न लगना आदि टीबी के लक्षण हैं। उन्होंने इससे बचाव के तरीकों, सरकारी अस्पताल पर मिलने वाले निरूशुल्क उपचार तथा वहां पर मिलने वाली अन्य सुविधाओं के बारे में भी बताया। संस्था के कार्यकर्ता सत्यजीत मौर्य ने मलेरिया, टाइफाइड, डायरिया, डेंगू आदि जैसे संचारी रोग के बारे में बताते हुए कहा कि यह रोग एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में विभिन्न माध्यमों से फैलते हैं। इन रोगों का प्रसार दूषित भोजन खाने, दूषित पानी पीने, कीड़े के काटने से होता है। इन रोगों के होने ंदता सिर में दर्द होना, बुखार या ठंडा लगना, शरीर में दर्द, थकान, गला खराब होना, खांसी आना, नाक बहना आदि लक्षण दिखते हैं। उन्होंने बच्चों की स्वच्छता तथा आसपास का वातावरण स्वच्छ रहने के फायदों के बारे में बताते हुए विभिन्न बीमारी से बचने के लिए जागरूक किया। बच्चों का मनोबल बढ़ाने के लिए संक्षिप्त प्रश्नोत्तर सत्र रख कर उन्हें पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर विद्यालयों के प्रबंधक, हेडमास्टर, शिक्षक आदि उपस्थित रहे। इनमें मुख्य रूप से अनवर अब्बास खान, अजय कुमार पाल, शशि कला, शशि सिंह, कुसुम मिश्रा, शैलेश कुमार यादव, आलोक यादव के साथ ही संस्था के कार्यकर्ता लालमनि मिश्रा, नेहा सिंह, मंजू सिंह, सत्यजीत मौर्य, सौम्या सिंह आदि मौजूद रहे।

केजीएमयू के जनरेटर ने ली लाइनमैन की जान

लखनऊ, (संवाददाता)। मेडिकल कॉलेज उपकेंद्र के संविदा कर्मी (लाइनमैन) इकबाल अंसारी की जान केजीएमयू के जनरेटर ने ली थी। कमेटी की जांच में इसका खुलासा हुआ है। वितरण एवं परीक्षण इकाई के अभियंताओं की कमेटी ने उपकेंद्र से लेकर केजीएमयू के जनरेटर व कंट्रोल रूम की जांच करने के बाद इसकी रिपोर्ट पावर कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक पंकज कुमार को भेज दी है। इसमें कहा गया है कि जनरेटर के बैक फीड करंट से इकबाल अंसारी हाईटेंशन लाइन पर काम करने के दौरान चिपक गए थे। मुख्य अभियंता रवि कुमार अग्रवाल और अधीक्षण अभियंता रमेश चंद पांडेय ने संयुक्त रूप से बताया कि उपकेंद्र से महज 50 मीटर दूरी पर ही कुछ अन्य कर्मचारी काम कर रहे थे। इकबाल खुद ही बसबार से ट्रॉली को बाहर निकालकर काम करने गए थे। जब हादसा हुआ तो एक कर्मी को अंदेशा हुआ कि कहीं ऑपरेटर गिरजाशंकर ने ट्रॉली लगा तो नहीं दी, मगर ट्रॉली बाहर ही थी। इस प्रकरण की रेजीडेंसी के एक्सईएन एसके वर्मा के नेतृत्व में जांच कराई गई। उन्होंने बताया कि केजीएमयू में ऑटो पैनल लगे होने के कारण जैसे ही उपकेंद्र की बिजली गुल हुई तो उनके जनरेटर स्वतरू चालू हो गए थे। जनरेटर एवं पैनल की अर्थिंग से लीक हुआ करंट

लेसा अभियंताओं को अंदेशा है कि जनरेटर एवं कंट्रोल रूम में लगे पैनल की अर्थिंग एक होने के कारण करंट लीक होकर उस पोल तक पहुंच गया, जिस पर इकबाल काम कर रहे थे। अंदेशा यह भी है कि केजीएमयू के कंट्रोल रूम में बसबार से पैनल का कनेक्शन ऑटोमैटिक डिस्कनेक्ट हो गया, मगर उसका पॉइंट टच होने से करंट बैक फीड होकर उपकेंद्र तक पहुंच गया। टेस्ट में पास कर्मी ही कर सकेंगे लाइन पर काम हादसे के बाद उपकेंद्रों पर संविदाकर्मियों को एक बार फिर प्रशिक्षित करने का काम शुरू हुआ है। इसमें लाइन पर काम करने के दौरान क्या–क्या सावधानी बरती जानी है और कैसे काम करना है, आदि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के बाद टेस्ट होगा, जो उसमें पास होगा, वही 15 अप्रैल से लाइन पर काम कर सकेगा।

मेगा रोजगार मेले में उमड़ा जोश, 1617 को मिली नौकरी

लखनऊ, (संवाददाता)। गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में बुधवार को आयोजित मेगा रोजगार मेले में युवाओं का जोश देखने को मिला। 18 कंपनियों में दो हजार पदों पर हुई भर्ती प्रक्रिया में पांच हजार अभ्यर्थी शामिल हुए। इनमें से 1617 को नौकरी मिली। वित्त मंत्री सुरेख खन्ना ने इन्हें नियुक्ति पत्र दिए। इससे पहले मौके पर युवाओं की इतनी भीड़ उमड़ी कि खड़े होने तक की जगह नहीं मिली। परिसर के बाहर तक बड़ी संख्या में युवा अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। रोजगार मेले की शुरुआत सुबह 10 बजे से हुई। हालांकि, अभ्यर्थी नौ बजे से ही परिसर में पहुंचना शुरू हो गए। जिला सेवायोजन अधिकारी प्रज्ञा त्रिपाठी ने बताया कि करीब 4100 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराए। वहीं, एक हजार के करीब परिसर में देरी से पहुंचे। कंपनियों ने इनका भी साक्षात्कार लिया। परिणाम एक सप्ताह बाद जारी किया जाएगा। मेगा रोजगार मेले में टाटा मोटर्स, पेटीएम, वेस्टर्न ह्यूमन रिसोर्सेज, इंस्टा ह्यूमन, डीलक्स, ठाकुर पब्लिकेशन, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस सहित 18 कंपनियों ने करीब पांच हजार अभ्यर्थियों के साक्षात्कार लिए। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय के सहायक निदेशक सूर्यकांत कुमार ने बताया कि इनमें से 1617 युवाओं को चयनित किया गया है। इन्हें योग्यतानुसार 20 से 25 हजार महीने का वेतन, कैंटीन व आने–जाने की सुविधा दी जाएगी। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने मेगा रोजगार मेले का शुभारंभ करने के साथ चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र भी दिए। उन्होंने कहा, योग्यता और अनुभव से युवाओं को नौकरी मिल रही है। कार्यक्रम में जिलाधिकारी विशाख जी, आईटीआई प्रधानाचार्य राजकुमार, सहायक जिला सेवायोजन अधिकारी हिमांशु सिंह, आईटीआई प्लेसमेंट अधिकारी एमए खान सहित अन्य शामिल रहे।

यूपी बोर्डः तीन केंद्रों पर मूल्यांकन पूरा

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के तीन केंद्रों पर यूपी बोर्ड परीक्षा की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य पूरा हो गया है। अब सिर्फ 43,740 उत्तर पुस्तिकाएं जांचने के लिए बची हैं। इनमें हाईस्कूल की 8246 और इंटरमीडिएट की 35494 कॉपियां हैं। डीआईओएस राकेश कुमार ने बताया कि राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज, राजकीय हुसैनाबाद और राजकीय बालिका गोमतीनगर में हाईस्कूल की सभी उत्तर पुस्तिकाएं जांची जा चुकी हैं।

'हिस्ट्रीशीटर गैंगस्टर अमरजीत चौहान की लगभग एक करोड़ की संपत्ति कुर्क हुई'

गोरखपुर । हरनही खजनी ।। पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर गैंगस्टर अमरजीत चौहान की संपत्ति कुर्क कर 36,38544 रुपये की कीमत की संपत्ति जब्त की। जिलाधिकारी गोरखपुर कृष्ण करूणेश एवं एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर के निर्देशन में एसपी साउथ जितेन्द्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने आज हिस्ट्रीशीटर गैंगस्टर अमरजीत चौहान की लाखों रुपए कीमत की संपत्ति कुर्क कर जब्त की है। इधर पुलिस द्वारा अपराधियों पर लगातार होने वाली कार्रवाई से हिस्ट्रीशीटर एवं गैंगस्टर के आरोपितों में भी अफरा–तफरी मची हुई है। थाना बांसगांव की पुलिस ने गैंगस्टर हिस्ट्रीशीटर अमरजीत चौहान पुत्र मनराज चौहान निवासी रवतापार थाना बांसगांव पर कार्रवाई की। थाना बांसगांव की माल्हनपार चौकी क्षेत्र के ग्राम बढ़ैपुरवां में अमरजीत की पत्नी रम्भा देवी के नाम से खरीदी गई जमीन आराजी संख्या 170मि.ध 0.097 हेक्टेयर खाते में रकबा 81.04 वर्गमीटर में दिनांक 31 नवंबर 2022 को खजनी माल्हनपार मुख्य मार्ग के किनारे विगत एक वर्ष के अंदर एक पक्का तीन मंजिला मकान दुकान का निर्माण कर उसमें रविता टावर किंग ब्रांड दुकानध्शॉपिंग मॉल खोला गया था। जिलाधिकारी द्वारा धारा 14(1) के तहत कुर्क की गई उपरोक्त संपत्ति के लिए धारा 14(3) के तहत तहसीलदार खजनी नरेन्द्र कुमार को अग्रीम आदेश तक के लिए प्रशासक नियुक्त किया गया है। नायब तहसीलदार हरीश यादव के साथ पुलिस टीम में शामिल सीओ खजनी उदय प्रताप सिंह सीओ बांसगांव दरवेश कुमार थानाध्यक्ष बांसगांव प्रेमपाल सिंह थानाध्यक्ष बेलघाट विकासनाथ एसआई धर्मवीर सिंह, नंदलाल यादव के साथ एसपी साउथ के नेतृत्व में मौके पर पहुंच कर 36,38544 रूपये की अचल सम्पत्ति कुर्क कर जब्तीकरण की कार्यवाही की। आरोपित के खिलाफ षड़यंत्र,धोखाधड़ी, हेराफेरी, छल कपट व कूट रचित दस्तावेज तैयार कर फर्जी तरीके से संपत्ति अर्जित करने के एक मामले दर्ज हैं। आरोपित के खिलाफ खजनी थाने में मुकदमा अपराध संख्या 316/2023 में भारतीय दण्ड विधान की धाराओं 406, 419, 420, 120बी, 411, 489 ख, 489ग तथा मुकदमा अपराध संख्या 441ध2024 में धारा 2(बी)(1),2(बी)(X1), 3(1) तथा सहजनवां थाने में मुकदमा अपराध संख्या 456/2024 में बीएनएस की धाराओं 316(2), 351(2) में केस दर्ज है। एसपी साउथ जितेन्द्र कुमार ने बताया कि जिलाधिकारी एवं जिले के पुलिस कप्तान के आदेश पर राजस्व एवं पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच कर लगभग एक करोड़ रुपए मूल्य की संपत्ति कुर्क कर जब्ती की कार्रवाई की गई है।

राणा सांगा की वीरता पर नहीं उठाया कोई सवाल, डिंपल ने भी खोला सरकार के खिलाफ मोर्चा

लखनऊ, (संवाददाता)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय और समतामूलक समाज की स्थापना में विश्वास करती है। हम कमजोर से कमजोर व्यक्ति को भी सम्मान दिलाना चाहते हैं। समाजवादी पार्टी मेवाड़ के राजा राणा सांगा की वीरता और राष्ट्रभक्ति पर कोई सवाल नहीं कर रही है। भाजपा ने इतिहास के कुछ विषयों को सदैव राजनीतिक लाभ उठाने के लिए और देश को धार्मिक–जातिगत आधार पर विभाजित करने के लिए इस्तेमाल किया है। अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि हमारे सांसद ने सिर्फ एकपक्षीय लिखे गए इतिहास और एक पक्षीय की गई व्याख्या का उदाहरण देने की कोशिश की है। हमारा कोई भी प्रयास राजपूत समाज या किसी अन्य समाज का अपमान करना नहीं है। आज के समय में इतिहास की घटनाओं की व्याख्या नहीं की जा सकती। अखिलेश यादव ने कहा कि इतिहास की घटनाओं के आधार पर आज की लोकतांत्रिक व्यवस्था नहीं चल सकती। भाजपा सरकार को अपनी भेदकारी नीतियों में सुधारकर जनता के रोजी–रोजगार, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर कुछ ध्यान देना चाहिए। मैनपुरी की सांसद डिंपल यादव ने कहा कि प्रदेश में कोई सुरक्षित नहीं है। अगर हम उत्तर प्रदेश के हालात देखें तो यहां सड़क पर बम फट रहे हैं और महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सांसद रामजी लाल सुमन के साथ जो घटना घटी है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। डिंपल यादव ने दिल्ली में मीडिया से बातचीत में कहा कि उपद्रव के समय शासन–प्रशासन जानबूझकर समय से कदम नहीं उठाते हैं। सरकार के ही इशारे पर यह सब हुआ है। उन्होंने कहा कि भाजपा गड़े मुर्दे उखाड़ रही है। इससे उनकी नीति और नीयत दोनों का पता चलता है। बेकारी, महंगाई और शिक्षा की दुर्दशा जैसे ज्वलंत मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए ही यह सब किया जा रहा है। लाखों–करोड़ो के एमओयू साइन होने का दावा है, लेकिन जमीन पर कुछ नहीं दिख रहा है। भाजपा लोगों को गुमराह कर रही है।

निर्वाण संस्था के चार बच्चों की मौत, 24 बच्चे अस्पताल में भर्ती डीएम और कमिश्नर ने जाना हाल

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में निर्वाण संस्था में बच्चों की तबीयत खराब होने से गुरुवार को एक और बच्चे की मौत हो गई। अस्पताल में भर्ती सूरज की इलाज के दौरान मौत हो गई। अब तक कुल चार बच्चों की जान जा चुकी है। सुबह मंडलायुक्त रोशन जैकब और डीएम विशाख जी ने लोकबंधु अस्पताल पहुंचकर बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। मोहान रोड स्थित निर्वाण संस्था में चार दिन पहले 70 मानसिक मंदित बच्चों की तबीयत बिगड़ गई थी। आनन–फानन 24 बच्चों को लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां सोमवार को एक बालक और मंगलवार को दो बालिकाओं की मौत हो गई। वहीं गुरुवार की सुबह एक और बच्चे की मौत हो गई। अन्य का इलाज चल रहा है। छह बच्चों को डिस्चार्ज किया जा चुका है। बुधवार को भी जिलाधिकारी टीम के साथ संस्था पहुंचकर निरीक्षण किया। संस्था संचालक, अधीक्षिका व कर्मचारियों से मामले की जानकारी ली। निर्वाण संस्था में निराश्रित मानसिक मंदित बालक और बालिकाओं को आश्रय दिया जाता है। शनिवार, 22 मार्च की रात को खाना खाने के बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ी थी। एक के बाद एक बीमार हुए सभी बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सोमवार को 12 साल के शिवांक की मौत हो गई थी। मंगलवार को लोकबंधु अस्पताल में भर्ती रेनू (15) और दीपा (12) ने भी दम तोड़ दिया।

बच्चों को होने लगीं थीं उल्टियां

संस्था प्रशासन के मुताबिक शनिवार रात बच्चों को सामान्य भोजन दिया गया था। कुछ देर बाद तीन–चार बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। उनको पेट दर्द और उल्टियां होने लगीं। सभी अस्पताल में भर्ती कराया गया। कुछ देर बाद अन्य बच्चे उल्टी करने लगे। कुल 24 बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से छह स्वस्थ हो चुके हैं। 46 ऐसे बच्चे भी हैं जिनका इलाज संस्था परिसर में ही सीएमओ की टीम कर रही है। इनका स्वास्थ्य भी अब बेहतर है।

मौत का कारण स्पष्ट नहीं

प्रशासन ने तीनों शवों का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी। विसरा और हार्ट प्रिजर्व किया गया है। विसरा जांच रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण पता चल सकेगा। हालांकि फूड पॉइजनिंग की आशंका है।

लोकबंधु अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय शंकर त्रिपाठी ने बताया कि कुल 24 बच्चे दो–दो और तीन–तीन करके लाए गए। इन बच्चों को संक्रमण की वजह से उल्टी और दस्त की समस्या थी। इनमें से तीन बच्चों की मौत हो गई है। छह बच्चे डिस्चार्ज हो गए हैं। अभी 15 बच्चों का इलाज चल रहा है। संक्रमण की वजह दूषित भोजन या पानी हो सकता है।

सड़क हादसे में दो की मौत दो घायल

ब्यूरो सुलतानपुर

सुलतानपुर। लखनऊ–बलिया हाईवे पर शुक्रवार सुबह बड़ा हादसा हो गया।गोसाईगंज थाना क्षेत्र के बांसगांव के पास सीमेंट से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गया। हादसे में चालक समेत दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।घायलों को मेडिकल कॉलेज सुलतानपुर में भर्ती कराया गया है।टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक के परखच्चे उड़ गए और इंजन में आग लग गई,जिसे फायर ब्रिगेड ने समय रहते बुझा लिया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर शिनाख्त शुरू कर दी है।

आठ दिनों का होगा वासन्तिक नवरात्र

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोण्डा। विक्रम संवत 2082 रविवार 30 मार्च से वासन्तिक नवरात्र शुरु हो रहा है। सनातन धर्म के नववर्ष में नवरात्र देवी उपासना का प्रथम उपासना पर्व है। इस पक्ष में तृतीया की तिथि का क्षय होने के कारण नवरात्र नौ नही आठ दिनों का होगा। नवरात्र में देवी का आगमन हाथी पर होने के कारण भक्तों के लिए वर्ष कल्याणकारी होगा। नवरात्र पर्व के सांस्कृतिक स्वरूप की जानकारी देते हुए आर जे शुक्ल श्यदुरायश ने बताया कि रविवार को शुरू हो रहे विक्रम संवत 2082 के नववर्ष में देवी पूजन का विधान किया गया है। 30 मार्च रविवार को नवरात्र के शुभारंभ प्रतिपदा तिथि होने से देवी शैलपुत्री का पूजन कलश स्थापना के साथ होगा। सोमवार 31 मार्च को द्वितीया व तृतीया एक साथ होने से देवी ब्रह्मचारिणी व देवी चंद्रघंटा का एक साथ आराधन पूजन सम्पन्न किया जाएगा। 01 अप्रैल मंगलवार को चतुर्थी तिथि पर देवी के चौथे स्वरूप में कुष्मांडा माता, 02 अप्रैल बुधवार को पंचमी को देवी स्कन्दमाता, 03 अप्रैल बृहस्पतिवार को षष्टम् तिथि में देवी कात्यायनी, 04 अप्रैल शुक्रवार को सप्तम् तिथि को कालरात्रि 05 अप्रैल शनिवार को अष्टमी तिथि को महागौरी एवं 06 अप्रैल रविवार को देवी के नवम्बर स्वरूप सिद्धदात्री देवी का पूजन विधि विधान से किया जाएगा। साधकों को चाहिए कि नवरात्र के प्रथम दिवस ही कलश की स्थापना कर अखंड द्वीप को प्रज्जवलित करें और प्रतिदिन दुर्गा सप्तशती या दुर्गा चालीसा का पाठ व धूप द्वीप से देवी का आराधन करें। नवमी को दुर्गा सप्तशती का पाठ के साथ माता को नारियल चुनरी अर्पित कर हवन एवं कन्या पूजन के उपरांत ही व्रत का उद्यापन करें। रविवार को भगवान राम का अवतरण दिवस विजय पर्व के रूप में मनाया जाएगा। शास्त्रों में वर्णित तथ्यों के अनुसार मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का जन्म नवमी तिथि को पुनर्वसु नक्षत्र में मध्यान्ह बारह बजे हुआ था। जन्म के समय अभिजीत मुहूर्त कर्क राशि व कर्क लग्न में था और मंगल बृहस्पति व शुक्र शनि अपने उच्च अवस्था में विराजमान थे। भगवान का अवतार दुर्लभ संयोग में होने के कारण नवमी तिथि को विजय मुहूर्त माना जाता है। इस दिन उपवास रखने के साथ किसी पवित्र नदी सरोवर में स्नान करने के साथ रामायण का पाठ करना भक्तों के लिए कल्याणकारी माना जाता है।

गौ माता के ऊपर दिए गए सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बयान पर राष्ट्रीय युवा वाहिनी ने जताया कड़ा विरोध

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा दिए गए बयान, जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर गौशाला के नाम पर दुर्गंध फैलाने का आरोप लगाया, जिसको लेकर विवाद गहरा गया है। इस बयान के विरोध में राष्ट्रीय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू देव प्रकाश शुक्ला ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। हिंदू देव प्रकाश शुक्ला ने कहा कि गौ माता सनातन संस्कृति की आधारशिला हैं, जिनमें 33 कोटि देवी–देवताओं का वास होता है। उन्होंने कहा, ष्गौशाला को दुर्गंध फैलाने वाला स्थान बताना हमारे वेदों और पुराणों का अपमान है। अखिलेश यादव को अपने इस बयान पर शर्म आनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गौ रक्षा और सनातन धर्म की रक्षा के लिए कार्य कर रहे हैं, जबकि अखिलेश यादव श्सेंट पार्कश और फूलों की बात कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव की विचारधारा के कारण हिंदुओं की बहन–बेटियों पर अत्याचार हुए और गौ माता की खुलेआम हत्या हुई। राष्ट्रीय युवा वाहिनी परिवार ने ऐलान किया है कि अब वे पूरी ताकत से योगी आदित्यनाथ को दोबारा मुख्यमंत्री और फिर देश का प्रधानमंत्री बनाने के लिए कार्य करेंगे। शुक्ला ने सवाल उठाया कि अब वे सारे जगद्गुरु कहां हैं जो धर्म और गौ रक्षा की बातें करते हैं? अंत में, राष्ट्रीय युवा वाहिनी ने अखिलेश यादव के इस बयान की घोर निंदा की और कहा कि सनातन धर्म का अपमान किसी भी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा।

एलडीए भी पहुंचा एनसीएलएटी, 15 को सुनवाई

लखनऊ, (संवाददाता)। अंसल मामले में आवंटियों ओर निवेशकों की अपील पर बुधवार को राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) में सुनवाई शुरू हो गई। वहां से अभी कोई राहत का आदेश तो नहीं हुआ है, लेकिन अब एलडीए भी अपनी बात लेकर वहां पहुंच गया है। सुनवाई के दौरान एलडीए की ओर से पेश अधिवक्ता ने कहा कि वह भी अंसल के दिवालिया होने से प्रभावित हुए हैं। इसलिए उनको भी इस मामले में जोड़ा जाए। हालांकि, कोई लिखित अपील नहीं की है। एलडीए के अलावा बुलंदशहर विकास प्राधिकरण व कुछ और खरीदारों के अधिवक्ताओं ने भी सुनवाई में शामिल करने की मांग की, जिसके बाद एनसीएलएटी ने अपील दाखिल करने को कहा और सुनवाई के लिए अगली तारीख 15 अप्रैल तय कर दी। वहीं, जिस फाइनेंस कंपनी आईएल एंड एफएस का 83 करोड़ रुपये न चुकाने पर एनसीएलटी ने अंसल को दिवालिया घोषित किया है, उसे भी जवाब दाखिल करने को कहा गया है। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने कहा कि एनसीएलएटी ने एलडीए समेत सभी प्राधिकरणों को पक्षकार बनने की अनुमति दे दी है।

रात में किया जाए लखनऊ–कानपुर एक्सप्रेस–वे का निर्माण कार्य – मंडलायुक्त

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी में यातायात व्यवस्था सुगम और सुचारू बनाने के लिए मंगलवार को मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने लखनऊ–कानपुर रोड के नादरगंज और खंडेदेव क्षेत्र का निरीक्षण किया। लखनऊ–कानपुर एक्सप्रेस वे के दोनों ओर की सर्विस लेन जहां–जहां बहुत संकरी हो गई हैं, वहां चौड़ीकरण शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि लखनऊ–कानपुर एक्सप्रेस वे का कार्य दिन के बजाय रात में कराएं, ताकि दिन में यातायात बाधित न हो। मंडलायुक्त ने एनएचएआई (नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया) के प्रोजेक्ट डायरेक्टर (पीडी) को निर्देश दिया कि नादरगंज और खंडेदेव में निर्माणाधीन सड़कों के कार्य में मैनपावर और मशीनरी की संख्या बढ़ाएं और कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराएं। जुनाबगंज से भारी वाहनों का नियमित रूप से डायवर्जन कराएं, ताकि मुख्य मार्गों पर यातायात का दबाव कम हो। उन्होंने ड्रेनेज निर्माण में बाधा बन रहे अवैध स्ट्रक्चरों को तोड़ने और सड़कों से अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। ब्लैक टॉप (सड़क के पक्के हिस्से) पर वाहनों की पार्किंग पर तत्काल प्रतिबंध लगाने और उल्लंघन करने वालों का तत्काल चालान करने का भी निर्देश दिया। मंडलायुक्त ने पीएनसी कंपनी को अधिकतम संख्या में हाइड्रा (क्रेन) और मार्शल की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। कहा कि इन वाहनों के चालकों के नाम और मोबाइल नंबर ग्रुप में अंकित कराए जाएं ताकि किसी भी आपात स्थिति में भारी वाहनों को त्वरित रूप से हटाया जा सके। मंडलायुक्त ने निर्देश दिया।

श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल में वार्षिक परीक्षा परिणाम वितरण समारोह आयोजित

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल में वार्षिक परीक्षा परिणाम वितरण समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। बच्चों ने अपनी मेहनत का फल पुरस्कार के रूप में प्राप्त किया तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। बच्चों की आंखों में आत्मविश्वास और चेहरे पर सफलता की चमक साफ झलक रही थी। कार्यक्रम में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उनकी उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनका हौसला बढ़ाया गया। नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्र मधुर ने समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने सफल विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को शिक्षा के साथ–साथ संस्कार भी सिखाएं। उन्होंने कहा कि बच्चों को अपने सनातन धर्म और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ना आवश्यक है, ताकि वे अपनी जड़ों को न भूलें और एक अच्छे नागरिक बनें। गंगा देवी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य अभिराम सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ संस्कारों का होना भी जरूरी है। उन्होंने अभिभावकों को सलाह दी कि वे बच्चों के सामने ऐसा कोई भी कार्य न करें, जिससे उनके मन पर नकारात्मक प्रभाव पड़े। उन्होंने बच्चों को अनुशासन और मेहनत के महत्व को समझाया और कहा कि निरंतर प्रयास ही सफलता की कुंजी है। कार्यक्रम में शत–प्रतिशत उपस्थिति वाले विद्यार्थियों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उनकी अनुशासनप्रियता और लगनशीलता की प्रशंसा की गई। कार्यक्रम का संचालन आरती वर्मा और विनीता त्रिवेदी ने किया। दोनों ने अपनी सधी हुई वाणी और प्रभावी प्रस्तुति से समारोह को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया। विद्यालय प्रबंधक मुकेश सिंह ने आभार प्रदर्शन करते हुए सभी अतिथियों, शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों का धन्यवाद किया। उन्होंने विद्यालय की ओर से सभी विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।विद्यालय के संस्थापक अखिलेश सिंह ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों के साथ समय बिताना उनकी मानसिक और भावनात्मक वृद्धि के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अभिभावकों को प्रतिदिन थोड़ा समय निकालकर बच्चों से संवाद करना चाहिए। इससे न केवल बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है, बल्कि वे अपने मन की बातें भी खुलकर कह पाते हैं। कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में समर्थ सिंह, विधान सिंह, सार्थक, मान्या गुप्ता, अभी सिंह, तेजस गुप्ता, भूमिका सिंह, नैना, रुद्रांश सिंह, वैशाली देवी, इशिता मिश्रा, प्रज्ञा गुप्ता, अभ्युदय प्रताप सिंह, खुशी गुप्ता, चिराग गुप्ता, शुभ गुप्ता, अनन्या गुप्ता, ओवी वर्मा, अर्पिता मिश्रा, प्रियांशु कुशवाहा, अनुराग वर्मा, दयानिधि, राखी त्रिवेदी आदि रहे। इन बच्चों ने अपनी–अपनी कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य लक्ष्मी देवी, शिक्षिका अर्पिता सिंह, कविता गुप्ता, मनसा बाजपेई, प्रज्ञा तिवारी, निकिता वर्मा, खुशबू श्रीवास्तव, नाजरीन बानो, राम प्रकाश पांडे, अशोक कुमार गुप्ता, अभिनव सिंह और उदय शुक्ला सहित बड़ी संख्या में अभिभावक व छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।समारोह के दौरान बच्चों की प्रतिभा और मेहनत की सराहना की गई। विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों को उनकी सफलता पर बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

ज्योति श्रीवास्तव के नेतृत्व में धूमधाम से होली मिलन समारोह मनाया गया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जनपद की अग्रणी महिला समाज सेवी संस्था जेसीआई चेतना ने रंगपर्व होली मिलन समारोह ष्उमंग उत्सवष का आयोजन नगर के रूहट्टा स्थित शाश्वत वाटिका के शानदार सभागार में आयोजित किया। जिसमे संस्था के पदाधिकारी सदस्यों और उनके परिजनों के साथ–साथ आमंत्रित अतिथियों ने भी रंगारंग कार्यक्रम का लुफ्त उठाया। कार्यक्रम का शुभारंभ विघ्न विनाशक, मंगल कारक भगवान गणेश की वंदना से हुआ। स्कूली छात्राओं द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना के समवेत गान के बाद देर रात तक एक से बढ़कर एक रंगा रंगकार्यक्रम हुए। संस्था के सदस्यों और उनके बच्चों द्वारा दी गई प्रस्तुति अतिथियों द्वारा बेहद सराही गई। अध्यक्ष ज्योत श्रीवास्तव ने सभी सदस्यों को मंच पर बुलाकर सम्मान किया और होली की बधाई दी भारत के रीति–रिवाज परंपराओं के अनुसार होली को सबसे अच्छा त्यौहार बताया जे सी आई चेतना और लेडी लाम ससस द्वारा आयोजित इस गीत,संगीत, हंसी ठहाको, अबीर गुलाल से सजी शाम में सामाजिक सरोकार निभाए गए। होली मिलन की परंपरा अनुसार कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों को अबीर गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दी गई। अतिथियों ने आपस में पुष्प वर्षा कर होली खेली और हर्षोल्लास व्यक्त किया। होली पर आधारित गीत संगीत और नृत्य ने कार्यक्रम में समा बंधी तो राधा कृष्ण नृत्य नाटिका ने उनके पावन प्रेम प्रसंग को संजीव कर दिया। कार्यक्रम को शानदार बनाने के लिए हमारी कार्यक्रम संयोजक सोनी जायसवाल , इंदिरा जायसवाल, रिंकी जायसवाल, ममता कश्यप, मीनू बरनवाल, चारु टंडन जी रही। कार्यक्रम में पूर्व प्रेसिडेंट फाउंडर मेघना रस्तोगी, नीतू गुप्ता, चारु शर्मा, कल्पना केसरवानी, मधु गुप्ता , रीता कश्यप,अभिलाष श्रीवास्तव, सोनी जायसवाल, मीरा अग्रहरि सचिव मधुलिका अस्थाना,कोषाध्यक्ष अनीता गुप्ता अनीता सेठ अंजू पाठक अनीता सिंह अंजू जैस्वाल अनुराधा श्रीवास्तव चंदा बरनवाल ज्ञानेश्वरी सुधा बैंकर सारिका सेठ मंजू जायसवाल मीना गुप्ता जी ममता के शेरवानी मीनू बरनवाल मनी सेठ निधि जी प्रियंका सिंह पुष्पा जी राजकुमारी की रोशनी के शेरवानी संचित जी संगीता सेठ सरिता निगम शारदा गुप्ता शिल्पी जायसवाल श्रेया अग्रवाल सोना बैंकर प्रियंका सिंह अंजू सिंह समेत ।

जेके लक्ष्मी सीमेंट द्वारा हुआ हेल्थ कैंप शिविर का आयोजन

अयोध्या ।जय गुरुदेव ट्रेडर्स टांडा में अम्बेडकर नगर के राजमिस्त्री ठेकेदार भाईयों के जेके लक्ष्मी सीमेंट द्वारा हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया ।जिसमें करीब 150 ठेकेदार और राजमिस्त्री भाइयों ने अपने परिवार सहित शुगर, बीपी, हिमोग्लोबिन, आंख, ब्लड ग्रुप आदि जांच करवाकर लाभान्वित हुए ।इस अवसर पर कंपनी के टेक्निकल हेड भूपेन्द्र मिश्रा ने

फीता काट कर उद्घाटन किया, उनके साथ में अयोध्या अम्बेडकर नगर के सेल्स प्रमोटर अजीत गुप्ता के अलावा कंपनी अधिकारी सौरभ दुबे, बृजेश कुमार और डीलर परमेश्वर गुप्ता, मृत्युंजय वर्मा जी भी मौजूद रहे।

आगामी पर्व को सकुशल संपन्न करने के लिए एसएसपी ने किया पैदल गस्त

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या ।ईद तथा आगामी त्यौहारों को शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न करने के लिए जिला व पुलिस प्रशासन रणनीति बनाने में जुटा हुआ है। वहीं जिला अधिकारी चंद्र विजय सिंह तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राज करन नैय्यर के दिशा निर्देश पर सभी थाना क्षेत्र में संबंधित प्रशासनिक अधिकारी व पुलिस के अधिकारी स्थानीय संबंध लोगों के साथ बैठक कर रहे हैं वहीं उनकी समस्याओं से भी रूबरू हो रहे हैं ।उसी कड़ी में शुक्रवार को जहां एक और कोतवाली नगर क्षेत्र के चौक क्षेत्र के अलावा अन्य चौराहा पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरन नैय्यर ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जाकर पैदल गस्त किया ।इस मौके पर उन्होंने वहां पर तैनात सभी पुलिस

कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। इस मौके पर उन्होंने बताया कि ईद पर्व के साथ–साथ आने वाले नवरात्रि और रामनवमी को लेकर विशेष सतर्कता बढ़ती जा रही है। इसके लिए बीच–बीच में बैठक कर अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए जा रहे हैं। इस मौके पर प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह, सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह,प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी कुमार पांडेय सहित पुलिस विभाग के अन्य आला अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

राज्यपाल ने प्री स्कूल किट, गैस कनेक्शन,बर्तन सेट व नवनियुक्त आगनबाड़ी कार्यकत्रियो को वितरित किया नियुक्ति पत्र

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या ।शुक्रवार को डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानन्द प्रेक्षागृह में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल द्वारा जनपद के आंगनबाड़ी केन्द्रों पर 03 से 06 वर्ष के बच्चों हेतु 250 प्री स्कूल किट्स, 338 आंगनबाड़ी केन्द्रों हेतु गैस कनेक्शन वितरण एवं इतने ही खाना बनाने हेतु बर्तनों का सेट आदि का वितरण किया गया। इसके अलावा उन्होंने नवनियुक्त 144 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र वितरण समारोह आयोजित किया ।समारोह में संत व समाजसेवी रमेश भाई ओझा,महिला एवं बाल विकास मंत्री बेबीरानी मौर्या,महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी,जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह,विधायक रूदौली रामचन्दर यादव, मिल्कीपुर चन्द्रभानु पासवान, जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह मौजूद रहे ।कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान से की गयी ।तत्पश्चात अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया ।इस मौके पर जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित अतिथियों का आयोजित कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुये कार्यक्रम में प्रतिभाग करने के लिए धन्यवाद दिया गया ।राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा कि संत रमेश भाई ओझा ऐसे संत है जो शिक्षा क्षेत्र के साथ सालो से जुड़े हुये है और शिक्षा में भी सबसे ज्यादा बच्चियों को शिक्षित करने के लिए प्रयास कर रहे है ।अटल आवासीय शिक्षा का भी अपनी कथाओं के माध्यम से प्रचार प्रसार कर बेटियों की शिक्षा के प्रति लोगों को जागरूक कर रहे है ।पूज्य संत के द्वारा अपनी कथाओं में ज्यादातर बात शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा आदि के विषयों में आम जनमानस को जागरूक किया करते है ।राज्यपाल ने कहा कि आज के कार्यक्रम में आंगनबाड़ी के बच्चों द्वारा जो मनमोहक व सुंदर कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया है, ऐसे बच्चों को तैयार करना ये बहुत ही कठिन होता है तथा अवध विश्वविद्यालय की छात्रा सृजनिका मिश्रा के द्वारा विकसित भारत की संकल्पना तथा छात्र अभिषेक श्रीवास्तव द्वारा लौह पुरूष सरदार पटेल एवं राष्ट्रीय एकता पर की गयी प्रस्तुति की प्रशंसा करते हुये कहा कि प्रदेश के सभी शैक्षिक संस्थानों में छात्र–छात्राओं को इसी प्रकार तैयार करना चाहिए कि उनको विद्या के ज्ञान के साथ साथ सामाजिक तौर तरीके प्रस्तुतीकरण आदि का भी विकास किया जाय तभी हमारे प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री का विकसित भारत का सपना साकार किया जा सकेगा ।उन्होंने कहा कि सभी व्यक्तियों को भेदभाव के परिप्रेक्ष्य से ऊपर उठकर बेटा व बेटियों को विकसित बनाना होगा क्योंकि जब युवा पीढ़ी विकसित होंगी, पढ़ी लिखी होंगी, संस्कारी होंगी, हमारी परम्पराओं को अच्छी तरह से जानती होंगी कि इसके पीछे लक्ष्य क्या है। उन्होंने कहा कि समाज के निर्माण से ही राष्ट्र का निर्माण होगा और विकसित भारत का सपना साकार होगा ।राज्यपाल ने कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी अयोध्या की प्रशंसा करते हुये कहा कि जनपद अयोध्या के आंगनबाड़ी केन्द्रों का कायाकल्प कराते हुये वहां बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने के लिए जो प्रयास किये गये है वही प्रयास प्रदेश के सभी जनपदों में कराकर पूरे प्रदेश के आंगनबाड़ी केन्द्रों को बेहतर बनाया जायेगा। इसके साथ ही अयोध्या के आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों को विभिन्न क्षेत्रों यथा–रेलवे स्टेशन, बाजार, पुलिस स्टेशन आदि का भ्रमण कार्यक्रम तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों पर तैनात आंगनबाड़ी कार्यकत्री की परीक्षा व ट्रेनिंग के साथ साथ उनके स्वास्थ्य के विषयों पर भी कार्य किया जा रहा है वह भी प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार को 08 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश के जनपदों में तीन दिवसीय समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मेरे द्वारा विभिन्न जनपदों में प्रतिभाग किया गया और देखा गया कि प्रदेश सरकार द्वारा गरीब व आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों के विकास के लिए संचालित योजनाओं के साथ साथ महिलाओं को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी प्रयास किये जा रहे है और विकसित भारत का सपना साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी भारत के ग्रामीण इलाकों में नन्हें मुन्हों बच्चों व गर्भवती महिलाओं की देखभाल के लिए बना मंच है। यह मंच नन्हें मुन्हों बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और खेल आधारित शिक्षा के लिए कार्य करता है। आंगनबाड़ी भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं शिक्षा, सेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उनके स्वास्थ्य, शिक्षा एवं शारीरिक विकास के साथ समावेशी विकास पर आधारित है ।पूज्य संत रमेश भाई ओझा ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा कि समाज के विकास के साथ राष्ट्र का विकास होता है तथा धर्म व्यवस्था, समाज व्यवस्था व राज्य व्यवस्था से ही समय को सुव्यवस्थित रखते है। उन्होंने साधु वचन सुनाते हुये महिलाओं, शिशुओं, धर्म आदि के विषयों पर प्रकाश डालते हुये कहा कि राष्ट्र का निर्माण करना है तो चरित्र का निर्माण किये जाने की आवश्यकता है। मा0 महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती बेबीरानी मौर्या ने कहा कि आज के कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी के बच्चों द्वारा सुन्दर कार्यक्रम की प्रस्तुती की गयी है तथा आंगनबाड़ी पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों पर आधारित लघु फिल्म का बेहतर प्रस्तुतीकरण किया गया है ।उन्होंने कहा कि अयोध्या के आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा मां यशोदा के रूप में बच्चों का विकास किया जा रहा है उनकी इस सेवा व समर्पण की जितनी भी प्रशंसा की जाय उतनी कम है। उन्होंने कहा कि अयोध्या के आंगनबाड़ी संचालन हेतु जारी कार्यक्रमों व गतिविधियों को पूरे प्रदेश में लागू किया जायेगा और अयोध्या के आंगनबाड़ी केन्द्रों को मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जायेगा ।जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा कि राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व व मार्गदर्शन में अयोध्या के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर सुविधाएं मुहैया कराने में सफलता प्राप्त हुई है ।उन्होंने कहा कि अयोध्या के 1009 आंगनबाड़ी

केन्द्रों का कायाकल्प कराया गया है तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों में सीएसआर और विभागीय सहयोग से प्रदान किये गये किट्स, बर्तन, गैस आदि को उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ ही सरल पारदर्शी प्रक्रिया से 144 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया जा रहा है तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की ट्रेनिंग स्वास्थ्य आदि का नियमित मूल्यांकन भी कराया जा रहा है एवं नवीन आंगनबाड़ी केन्द्रों की ओर अग्रसर होते हुये अयोध्या धाम के 15 वार्ड में 70 स्थानों पर भूमि चिन्हांकन, महिला एवं बाल कल्याण विभाग द्वारा पदों की स्वीकृति कराकर 88 हजार से अधिक बच्चों को लाभान्वित किये जाने का कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम के समाप्ति तक सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया ।डा0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानन्द प्रेक्षागृह में आयोजित किट्स वितरण कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी केन्द्रों के नन्हें मुन्हें बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, बाल एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आधारित लघु फिल्म, अवध विवि की छात्रा सृजनिका मिश्रा व अभिषेक श्रीवास्तव द्वारा उद्बोधन प्रस्तुत किया गया तथा महानुभावों द्वारा 11 आंगनबाड़ी केन्द्रों को किट्स, 11 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को गैस कनेक्शन, नान कोलोकेटेड आंगनबाड़ी केन्द्रों में खाना बनाने हेतु बर्तनों की प्रतिकात्मक वितरण, 11 नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, 04 इंसीनेटर का वितरण, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना अन्तर्गत 04 बालको को लैपटाप वितरण सहित उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों व कार्यकत्रियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया ।इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय कुमार त्रिपाठी, जिला सूचना अधिकारी, आई0सी0डी0एस0 व बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्री उपस्थित रही।

तीन प्रमुख सड़क मार्गो के विकास को मिली मंजूरी -गिरीश चंद्र यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर में सड़क विकास को नई गति मिलने जा रही है। खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री गिरीश चन्द्र यादव के प्रयास से जनपद के तीन प्रमुख सड़क मार्गों के विकास को मंजूरी मिल गई है। पहला प्रमुख प्रोजेक्ट हौज से लाइन बाजार और नई गंज होते हुए कोल्हनामउ बाई पास तक है। यह मार्ग लगभग 13 किलोमीटर लंबा होगा। इसे चार लेन में विकसित किया जाएगा। इस परियोजना की कुल लागत 139.03 करोड़ रुपए है। चालू वित्त वर्ष 2024–25 में राज्य सड़क निधि से 34.34 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है। दूसरा प्रोजेक्ट मल्हनी खुटहन मार्ग पर लाल दरवाजा से लुंभनी दुद्धी मार्ग तक है। यह 4.7 किलोमीटर लंबा होगा, जिसकी लागत 13.60 करोड़ रुपए है। तीसरा प्रोजेक्ट मल्हनी खुटहन मार्ग के दहीरपुर नाले से लुंबिनी दुद्धी मार्ग तक है। 3.4 किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर 8.73 करोड़ रुपए खर्च होंगे। मंत्री यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और वित्त मंत्री सुरेश खन्ना का आभार जताया है।

मोजो से बनाएं समाजोपयोगी कटेंटः कुलपति

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित मोबाइल जर्नलिज्म (मोजो) मीडिया लेखन एवं फोटोग्राफी विषयक पांच दिवसीय कार्यशाला में शुक्रवार को समापन सत्र में विद्यार्थियों को मोजो के विविध पहलुओं के बारे में विस्तार से पावर प्वाइंट प्रदर्शन कर समझाया। इस कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग और पंजाब नेशनल बैंक के द्वारा किया गया। प्रतिभागियों को कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने प्रमाणपत्र वितरित किया। समापन समारोह में कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि जो विद्यार्थी पत्रकारिता के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं, उन्हें हमेशा सत्य और निष्पक्षता बनाए रखनी चाहिए। मोजो से समाजोपयोगी कंटेंट को बनाएं और शेयर करें। उन्होंने कहा कि सच की ताकत ही पत्रकारिता को लोकतंत्र में एक मजबूत स्तंभ बनाती है। पत्रकारिता वह है जो सत्ता और समाज के बीच सेतु का कार्य करती है। साथ ही समय– समय पर मार्गदर्शन भी करती रही है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति केंद्रीय विश्वविद्यालय अमरकंटक मध्य प्रदेश के पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राघवेंद्र मिश्रा ने मीडिया लेखन और मोजो पर प्रभावी चर्चा की। उन्होंने कहा कि डिजिटल क्रांति

ने पत्रकारिता को नया आयाम दिया है। मोबाइल टेक्नोलॉजी ने न केवल पत्रकारिता को रि–डिफाइन किया है, बल्कि इसके काम करने के तरीकों को भी पूरी तरह बदल दिया है। प्रो. मिश्रा ने कहा कि टेक्नोलॉजी ने सभी को स्मार्ट बना दिया है, जिससे खबरों की प्रस्तुति और प्रसार की प्रक्रिया पूरी तरह बदल गई है। पहले जहां समाचार केवल प्रिंट मीडिया, रेडियो और टीवी तक सीमित था, वहीं आज हर व्यक्ति मोबाइल के माध्यम से एक पत्रकार की भूमिका निभा सकता है। प्रो. मिश्रा ने कहा कि आज पत्रकारिता मशीनरी टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में प्रवेश कर चुकी है। उन्होंने कहा कि पहले खबरों को प्रकाशित करने से पहले गेटकीपिंग यानी खबरों की जांच–परख की प्रक्रिया होती थी, लेकिन सोशल मीडिया ने इस व्यवस्था को समाप्त कर दिया है। प्रो. मिश्रा ने कहा कि भविष्य की पत्रकारिता डिजिटल तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित होगी। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्र ने मुख्य अतिथि का स्वागत भाषण एवं धन्यवाद ज्ञापन किया। प्रथम सत्र का संचालन डॉ. सुनील कुमार और द्वितीय सत्र का संचालन डॉ. चंदन सिंह ने किया,।

शताब्दी वर्ष में घर घर पहुचेगा संघ संगठित और समर्थ समाज का निर्माण करेगा संघ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आगामी विजयादशमी 2026 को अपने स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर रहा है। आगामी विजयादशमी 2025 से विजयादशमी 2026 तक संघ अपने शताब्दी वर्ष में कार्यविस्तार के माध्यम संगठित और समर्थ हिन्दू समाज का संगठन करेगा। उक्त विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, काशी प्रांत के प्रचारक रमेश जी ने जौनपुर विभाग के संघ कार्यकर्ताओं एवं विचार परिवार के विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं की बैठक में रखा। प्रांत प्रचारक रमेश जी ने कहा कि शताब्दी वर्ष में विजयादशमी के दिन सभी मंडलों में गणवेश में वृहद एकत्रीकरण तथा वृहद गृह जनसंपर्क अभियान के माध्यम से सभी मंडलों के सभी गांवों में जाने की योजना है। इसी क्रम में सभी मंडलों में हिंदू सम्मेलन, सद्भाव बैठक, प्रबुद्ध नागरिक गोष्ठी एवं युवा कार्यक्रम की रूपरेखा रखी। उन्होंने बताया कि संघ शताब्दी वर्ष में पंच प्रण के माध्यम से समाज में परिवर्तन करेगा। पंच प्रण के अंतर्गत सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्व आधारित तंत्र एवं नागरिक कर्तव्य के ऊपर समझा में कार्य करेगा। वर्तमान में जौनपुर विभाग में संघ दृष्टि से कुल चार जिले जौनपुर, मछलीशहर, गाजीपुर एवं सैदपुर में कुल 37 खंडों में 411 मंडल तथा 8 नगर इकाई में 85 बस्ती की रचना है। इनमें से 402 मंडल में तथा सभी बस्तियों में प्रत्यक्ष शाखा लगती है। जौनपुर विभाग में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कुल 590 शाखाएं लगती है। इस बैठक में हाल में बेंगलूर में 21 – 23 मार्च के मध्य सम्पन्न हुए अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के प्रस्ताव, संकल्प एवं वक्तव्य का वाचन हुआ। प्रतिनिधि सभा ने बंगलादेश के हिंदू समाज के समर्थन में प्रस्ताव, संघ के 100 वर्ष की यात्रा और आगामी कार्य हेतु ।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।